

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, (हरिद्वार)

पाठ्यक्रम - B.A. दर्शन के साथ योग
वर्ष- 2023-2024



**पाठ्यक्रम - B.A. - दर्शन प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष
के कुछ सामान्य नियम
एवं प्रस्तावना**

- ❖ परीक्षा में 50% अंक प्राप्त करने वाले छात्र को ही उत्तीर्ण माना जायेगा।
- ❖ प्रस्तुत पाठ्यक्रम तीन वर्ष का होगा।
- ❖ प्रत्येक वर्ष 2 सत्र (Semester) में, 2 बार परीक्षाएं होंगी।
- ❖ प्रत्येक परीक्षा में छः प्रश्नपत्र होंगे।
- ❖ दो प्रश्नपत्र दर्शनों से सम्बन्धित, तृतीय व चतुर्थ संस्कृत व्याकरण तथा पञ्चम पत्र संस्कृत साहित्य व छठा अंग्रेजी भाषा का होगा।
- ❖ सभी प्रश्न-पत्र 100-100 अंक के होंगे।
- ❖ प्रत्येक प्रश्न-पत्र में 25 अंकों की आन्तरिक परीक्षा एवं 75 अंकों की बाह्य परीक्षा होगी।
- ❖ प्रत्येक परीक्षा का निर्धारित समय 3 घण्टे होगा।



पतंजलि विश्वविद्यालय

UNIVERSITY OF PATANJALI

Patanjali Yog Peeth, Roorkee – Haridwar Road, Haridwar, Uttarakhand 249405

Faculty of Humanities and Ancient Studies

Department of Philosophy

Session 2023-24

BA Darshan with Yoga

(According to NEP-2020, as per UGC Guidelines dated 07-12-2022)

Semester I

S. No.	Course Type	Course Code	Course Title	Credit			
				L	T	P	Total Credits
1	Discipline Specific Major	BDPHMJ-101	योग-दर्शनम्	5	1	0	6
2	Discipline Specific Minor	BDPHMJ-102	साङ्ख्य-दर्शनम् - I	3	1	0	4
3	Inter Disciplinary	BDPHID-103(1)	इतिहासः - I	3	1	0	4
		BDPHID-103(2)	समाजविज्ञानम् - I				
		BDPHID-103(3)	राजनीतिशास्त्रम् - I				
		BDPHID-103(4)	संस्कृतसाहित्यम् - I				
4	Ability Enhancement	BDPHAE-104(1)	Communicative English - I	2	0	0	2
5	Skill Enhancement/ Internship	BDPHSE-105(1)	सम्भाषणसंस्कृतम्	2	0	2	3
		BDPHSE-105(2)	सङ्गीतम् - I				
		BDPHSE-105(3)	Sanskrit with Technology				
		BDPHSE-105(4)	योग चिकित्सा - I				
6	Value Added	BDPHVA-106(1)	गीता सङ्गीतम्	0	0	6	3
		BDPHVA-106(2)	पञ्चोपदेशस्मरणम्				
		BDPHVA-106(3)	यज्ञविज्ञानम्				
Total Credits							22

Semester II

S. No.	Course Type	Course Code	Course Title	Credit			
				L	T	P	Total Credits
1	Discipline Specific Major	BDPHMJ-201	न्याय-दर्शनम् - I	5	1	0	6
2	Discipline Specific Minor	BDPHMN-202	साङ्ख्य-दर्शनम् - II	3	1	0	4
3	Inter Disciplinary	BDPHID-203(1)	इतिहासः - II	3	1	0	4
		BDPHID-203(2)	समाजविज्ञानम् - II				
		BDPHID-203(3)	राजनीतिशास्त्रम् - II				
		BDPHID-203(4)	संस्कृतसाहित्यम् - II				
4	Ability Enhancement	BDPHAE-204	पर्यावरणविज्ञानम्	2	0	0	2
5	Skill Enhancement/ Internship	BDPHSE-205(1)	संस्कृतलेखनकौशलम्	2	0	2	3
		BDPHSE-205(2)	सङ्गीतम् - II				
		BDPHSE-205(3)	गोविज्ञानम्				
		BDPHSE-205(4)	योग चिकित्सा - II				
6	Value Added	BDPHVA-206(1)	दर्शनस्मरणम्	0	0	6	3
		BDPHVA-206(2)	उपनिषद्-स्मरणम्				
		BDPHVA-206(3)	योगविज्ञानम् (प्रयोगात्मकम्)				
Total Credits							22
For those student(s) who want to carry the course for Second year							44
Those student(s) want to exit in 1st year they need to complete Summer Training of credit							4
Grand Total							48

* 4 credit over and above of 44 credit to be awarded to those students who want to exit to the course after completing summer training

Semester III

S.No	Course Type	Course Code	Course Title	Credit			
				L	T	P	Total Credits
1	Discipline Specific Major-1	BDPHMJ-301	न्यायदर्शन-2	2	1	2	4
2	Discipline Specific Major-2	BDPHMJ-302	न्यायदर्शन-3	2	1	2	4
3	Discipline Specific Minor	BDPHMN-303	सांख्यकारिका	3	1	2	6
4	Inter Disciplinary	BDPHID-304(1)	स्वर्णकाल का इतिहास	1	1	0	2
5		BDPHID-304(2)	समाजशास्त्र				
6							
7	Ability Enhancement	BDPHAE-305	Communicative English-2	1	0	1	2
8	Skill Enhancement/ Internship	BDPHSE-306(1)	सस्वर वेदपाठ	1	0	2	3
9		BDPHSE-306(2)	सङ्गीतम्				
Total Credits							22

Semester -IV

S.No	Course Type	Course Code	Course Title	Credit			
				L	T	P	Total Credits
1	Discipline Specific Major-1	BDPHMJ-401	वैशेषिक दर्शन-1	3	1	2	6
2	Discipline Specific Major-2	BDPHMJ-402	वैशेषिक दर्शन-2	2	1	2	5
3	Discipline Specific Minor-1	BDPHMN-403	वैदिकेत्तर दर्शन -1	3	1	0	4
4	Discipline Specific Minor-2	BDPHMN-404	वैदिक साहित्य -1	2	1	2	4
5	Ability Enhancement	BDPHAE-405	Communication Technology	1	0	1	2
Total Credits							22
For those students who want to carry the course for Third year							88
Those students want to exit in 2nd year they need to complete summer training of credit							4
Grand Total							92
*4 credit over and above of 92 credit to be awarded to those students who want to exit to the course after completing summer training							

Semester -V

S.No.	Course Type	Course Code	Course Title	Credit			
				L	T	P	Total Credits
1	Discipline Specific Major-1	BDPHMJ-501	वेदान्त दर्शन-1	3	1	2	6
2	Discipline Specific Major-2	BDPHMJ-502	वेदान्त दर्शन-2	3	1	2	6
3	Discipline Specific Minor	BDPHMN-503	वैदिक साहित्य-2	3	1	2	6
4	Internship	BDPHSE-504	योगआयुर्वेद-प्रशिक्षण	0	0	4	4
Total Credits							22

Semester - VI

S.No.	Course Type	Course Code	Course Title	Credit			
				L	T	P	Total Credits
1	Discipline Specific Major-1	BDPHMJ-601	दर्शनशास्त्र इतिहास + मीमांसा दर्शन	5	1	0	6
2	Discipline Specific Major-2	BDPHMJ-602	निरुक्त	3	1	2	6

3	Discipline Specific Minor-1	BDPHMN-603	बुद्धचरितम्	4	1	0	5
4	Discipline Specific Minor-2	BDPHMN-604	वैदिकेत्तर दर्शन-2	4	1	0	5
Total Credits							22
For those students who want to carry the course for Forth year							132
Those students want to exit in 3rd year they need to complete summer training of credit							4
Grand Total							136
*4 credit over and above of 136 credit to be awarded to those students who want to exit to the course after completing summer training							

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

पाठ्यक्रम- B.A.- प्रथमवर्ष, दर्शन के साथ योग

Semester-I

प्रश्नपत्र (1)

BDPHMJ-101 - योग-दर्शनम्

क्रेडिट:-06

घण्टें-90

पातञ्जल योगसूत्र

इकाई प्रथम- दर्शन साहित्य का परिचय

(10 घण्टे)

इकाई द्वितीय- समाधिपाद

(20 घण्टे)

इकाई तृतीय- साधनपाद

(21 घण्टे)

इकाई तृतीय- विभूतिपाद

(20 घण्टे)

इकाई पञ्चम- कैवल्यपाद

(16 घण्टे)

इकाई षष्ठ- उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण व लेखन।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- योगदर्शन- स्वामी योगर्षि रामदेव, दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

प्रश्नपत्र (2)

BDPHMJ-102 -सांख्यदर्शनम्

क्रेडिट:-04

घण्टें:-60

सांख्यसूत्र- (1-3 अध्याय)

इकाई प्रथम- प्रथम अध्याय

(17 घण्टे)

इकाई द्वितीय- द्वितीय अध्याय

(17 घण्टे)

इकाई तृतीय- तृतीय अध्याय, पूर्वाद्ध

(15 घण्टे)

इकाई चतुर्थ- तृतीय अध्याय, उत्तराद्ध

(15 घण्टे)

इकाई पञ्चम- उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण व लेखन।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- सांख्यदर्शन (आचार्य उदयवीर शास्त्री), प्रकाशक-विजयकुमार, गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई सड़क, दिल्ली- 110006 एवं सांख्यदर्शनम्- दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार। सहायक ग्रन्थ- सांख्यदर्शनम्, आचार्य आनन्दप्रकाश, आर्ष शोध संस्थान, अलियाबाद।

क्रेडिट:-04

घण्टें:-60

BDPHID-103(1)- इतिहास:-I (भारत का इतिहास)

इकाई प्रथम- भारतीय इतिहास को जानने के स्रोत (13 घण्टे)

इकाई द्वितीय- सैन्धव सभ्यता उत्पत्ति एवं विकास (13 घण्टे)

इकाई तृतीय- सैन्धव सभ्यता में धार्मिक परम्पराएं (13 घण्टे)

इकाई चतुर्थ- उपनिषदीय धर्म एवं विभिन्न शिक्षाएं (13 घण्टे)

इकाई पञ्चम- छठीं शताब्दी ई.पू. भारत की राजनीतिक स्थिति (12 घण्टे)

इकाई षष्ठ- प्रयोगात्मक वक्तव्य

निर्धारित पाठ्य पुस्तक- शर्मा, एल0 पी0: प्राचीन भारत, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा, 2022 स सिंह, उपेन्द्र: प्राचीन और पूर्व मध्यकालीन भारत का इतिहास पाषाण काल से 12 वीं शताब्दि ई. Delhi 2016.

क्रेडिट:-04

घण्टें:-60

BDPHID-103(2) -सामाजविज्ञानम्-I

इकाई प्रथम- समाज शास्त्र परिचय (14 घण्टे)

इकाई द्वितीय- सामाजिक अवधारणाएँ (13 घण्टे)

इकाई तृतीय- संस्कृति एवं सभ्यता विश्लेषण (11 घण्टे)

इकाई चतुर्थ- सामाजिक संरचना (12 घण्टे)

इकाई पञ्चम- सामाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता (10 घण्टे)

इकाई षष्ठ- प्रयोगात्मक वक्तव्य (30 अंक)

पाठ्य पुस्तक- गुप्ता, एम. एल. एवं शर्मा, डी. डी., भारत में समाज, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा, 2022

क्रेडिट:-04

घण्टें:-60

BDPHID-103(3) राजनीतिशास्त्रम्-I (हमारा संविधान)

इकाई प्रथम- संविधान सभा और संविधान (15 घण्टे)

इकाई द्वितीय- सरकार के अंग (16 घण्टे)

इकाई तृतीय- संघवाद (14 घण्टे)

इकाई चतुर्थ- विकेन्द्रीकरण (15 घण्टे)

इकाई पञ्चम- प्रयोगात्मक वक्तव्य (30 अंक)

पाठ्य पुस्तकें:-

1. जी. ऑस्टिन, (2010) 'द इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन: कॉर्नरस्टोन ऑफ ए नेशन', नई दिल्ली, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 15वां प्रिन्ट।

2. आर. भार्गव (इ.डी) 'भारतीय संविधान की राजनीति और नैतिकता', नई दिल्ली, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

3. डी. बसु, (2012) 'भारत के संविधान का परिचय', नई दिल्ली, लेक्सिस नेक्सिस।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

1. संस्कृत व्याकरण का आधारभूत ज्ञान प्रदान करना।
2. वर्णोच्चारण शिक्षा का बोध कराना।
3. संज्ञाओं का ज्ञान कराना।
4. सन्धि प्रकरण से परिचित कराना।

यूनिट-1:- प्रथम इकाई- शिक्षाप्रकरणम् -

अकुह विसर्जनीयाः कण्ठ्याः, इचुयशास्तालव्याः, ऋटुरषा मूर्धन्याः, लतुलसा दन्त्याः,
एदैतो कण्ठ्यतालव्यौ, ओदैतौ कण्ठ्यौषयो इत्यादयः।

अभ्यान्तर प्रयत्न, बाह्यप्रयत्न, स्पृष्टकरणा स्पर्शाः, ईषद्स्पृष्टकरणा अन्तस्थाः, ईषद् विवृलकरणा
ऊष्माणः इत्यादयः ।

द्वितीय इकाई- संज्ञाप्रकरणम् -

वद्धिरादैच्, अदेङ्गुणः, हलोऽनन्तराः संयोगः, मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः, अचोऽन्त्यादि टि,
अलोऽन्त्यात्पूर्व उपधा, शि सर्वनामस्थानम्, सुडनपुंसकस्य, ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम् इत्यादयः ।

तृतीय इकाई- सन्धिप्रकरणम्,

इको यणचि, एचोऽयवायावः, आद्गुणः, अकः सवर्णे दीर्घः, वान्तो यि प्रत्यये इत्यादयः।

अच् सन्धि - अमि पूर्वः, एङि पररूपम्, ऋत् उत्, डसिङसोश्च, इत्यादयः।

हल् सन्धि - खरि च, ष्टुनाष्टुः, स्तोःश्चुना श्चुः, हलो यमां यमि लोपः, झरो झरि सवर्णे, अनुस्वारस्य ययि
परसवर्णः इत्यादयः।

चतुर्थ इकाई- रघुवंश महाकाव्यम् - प्रथमः सर्गः ।

पञ्चम इकाई- वैराग्यशतकम् - 50 श्लोक।

परिणाम-

1. संस्कृत व्याकरण के आधारभूत ज्ञान से शब्दों की वैज्ञानिक पद्धति से परिचित हो जाता है।
2. वर्णोच्चारण शिक्षा के बोध से वर्णों एवं शब्दों के शुद्धतापूर्वक उच्चारण व उत्कृष्ट संस्कृत संभाषण करने व कराने में समर्थ हो जाता है।
3. संज्ञाओं के ज्ञान से उसके पहचान करने व कराने में समर्थ हो जाता है।
4. सन्धियों के परिचय से सन्धि विच्छेद व शब्दार्थ बोध करने व कराने में सक्षम हो जाता है।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक-

रघुवंश महाकाव्यम् - प्रकाशक- चौखम्भा ओरियन्टलिया, दिल्ली - 11007, (भारत)।

वैराग्यशतकम् - प्रकाशक- रामकृष्ण मिशन, बंगला हॉस्पिटल, हरिद्वार ।

सहायक ग्रन्थ- वर्णोच्चारण शिक्षा सूत्राणि, व्याकरण प्रवेश, प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी।

प्रकाशक- विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी-221001

प्रश्नपत्र (4)

क्रेडिट:-02

BDPHAE-104 COMMUNICATIVE ENGLISH -I

घण्टें:-30

Unit-1: -Syllables (stress in simple words), Rhythm, Intonation, & Revision of Basic Grammar

(14 घण्टे)

Unit-2: Reading & Writing

(16 घण्टे)

Unit-3: Listening

(15 घण्टे)

Unit-4: Spoken English

(15 घण्टे)

Unit-5: प्रयोगात्मक वक्तव्य

(30 अंक)

Text books:

1. English Grammar in Use, 4th Edition, Cambridge by Raymond Murphy
2. Oxford Handbook for the Foundation Programme by Tim Raine & James Dawson & Stephan Sanders & Simon Eccles – eBook

Suggested Sources:

1. learnenglish.britishcouncil.org
2. learnenglish.britishcouncil.org/general-english/magazine-zone
3. British Council e-Books for free - pdfdrive.com/british-council-books.html
4. Check Your Vocabulary for English for the IELTS Examination - eBook

BDPHSE-105(1) -सम्भाषणसंस्कृतम्

क्रेडिट:-03

घण्टें:-45

इकाई प्रथम- भाषा परिचय: वाक्य रचना 1

(9 घण्टे)

संस्कृत भाषा पचिय, स्वपरिचय, सामान्यपदपरिचय (नामपदम्, क्रियापदम्) वर्तमानकाल (प्रथमपुरुष, एकवचनम्, बहुवचनम्, उत्तमपुरुष, द्विवचनम्) संख्या

इकाई द्वितीय- वाक्यरचना 2

भविष्यत्कालः, भूतकालः, कालपरिवर्तनम्, समयः, देहाङ्गानि

(9 घण्टे)

इकाई तृतीय- वाक्यरचना 3

(9 घण्टे)

लिङ्गभेदः, विभक्तिभेदः, विशेषणम्, अव्ययम्, बन्धुवाचकाः

इकाई चतुर्थ- सम्भाषणम्

(11 घण्टे)

दिनचर्या, प्रसङ्ग-वाचनम् (गुरुशिष्यसम्भाषणम्, मित्रसम्भाषणम् आदि)

इकाई पञ्चम- कथा-वाचनम्

(11 घण्टे)

सरलसंस्कृतकथानां वाचनम्

निर्धारितग्रन्थाः

1. संस्कृतस्वाध्यायः-वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, राष्ट्रसंस्कृतसंस्थानम्, नई दिल्ली

सन्दर्भग्रन्थाः

1. वाक्यव्यवहारावलिः-श्रीमद्दयानन्दकन्यागुरुकुलम्, चोटीपुर

BDPHSE-105(2) सङ्गीतम्-I

क्रेडिटः-03

घण्टें:-45

1. Notations /Painting /sculpture

2. Biography & life sketch

3. Technical terms used in your art form.

4. Moral stories with special reference to Rasa, Bhava, Anubhava, Vyabhichari etc.

5. Short notes on Rasa,Bhaav, Abhinaya, Nayak-Nayika with reference to your art form.Shastra like the Vedas to the Natyashastra and Ramayana to Malavikagnimitra;“- Sampradaya or traditional practice of the art of sculpture, painting, dance, drama, music, yoga, journalism and other applied arts“- Practical works like presentations, assignments, experimentation, projects, creativity and innovation.

BDPHSE-105(3) -Sanskrit with Technology

क्रेडिटः-03

Unit 1 Computer Fundamentals

(8 hours)

घण्टें:-45

What is Computer, Basic Applications of Computer; Components of Computer System, Computer Memory, Concepts of Hardware and Software; What is an Operating System; Basics of Popular Operating Systems; The User Interface, Folders and Directories, Creating and Renaming of files and folders, Opening and closing of different Windows.

Unit 2 Introduction to Internet, WWW and Web Browsers (7 hours)

Basic of Computer networks; LAN, WAN; Concept of Internet; Applications of Internet; connecting to internet; World Wide Web; Web Browsing software, Basics of electronic mail

Unit 3 Understanding Word Processing/MS Office (12 hours)

Word Processing Basics; Opening and Closing of documents; Formatting of text; Table handling; Spell check,

Using Spread Sheet: Basics of Spreadsheet; Manipulation of cells; Formulas and Functions; Editing of Spread Sheet,

Making Small Presentation: Basics of presentation software; Creating Presentation; separation and Presentation of Slides; Slide Show; Taking printouts of presentation / handouts.

Unit 4 Online Sanskrit Tools

(6 hours)

Samsâdhanî, Sambhacâ, Sanskrit Heritage, Tools by IIT Kharagpur

Unit 5**Practical Sanskrit****(12 hours)**

Sanskrit Typing and Transliteration (Roman Diacritics)

References:

- Fundamentals of Computers by Rajaraman V
- Computer Fundamentals by P K Sinha

BDPHSE-105(4) योगचिकित्सा-१

क्रेडिट:-03

घण्टें:-45

उद्देश्य :

- भारतीय पुरातन चिकित्सा पद्धति के समन्वित् स्वरूप का बोध कराना ।
- समन्वित चिकित्सा पद्धति के व्यावहारिक एवं प्रयोगात्मक अभ्यास द्वारा साध्य एवं असाध्य रोगों का निदान।
- योग, आयुर्वेद, पञ्चकर्म, षट्कर्म, नेचुरोपैथी, आहार चिकित्सा, यज्ञचिकित्सा, एक्यूपंचर, एक्यूप्रेशर एवं फिजियो थैरेपी जैसे समन्वित् भारतीय पुरातन चिकित्सा पद्धतियों के सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक बोध द्वारा योग्य एवं प्रशिक्षित व्यक्तित्व का निर्माण करना।

परिणाम :

- समन्वित चिकित्सा पद्धति में प्रशिक्षित विद्यार्थी समाज में साध्य-असाध्य रोगों से पीडित रोगियों को उपचार देकर उन्हें सम्पूर्ण आरोग्य का लाभ प्रदान करता है एवं भारतीय पुरातन चिकित्सा व्यवस्था के प्रचार प्रसार में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है ।
- सेवा निष्ठ आजीविका का आलम्बन लेकर स्वयं आत्मनिर्भर होता हुआ अन्यो को भी रोजगार परख सेवा क्षेत्र में नियोजित करता है, उपकार परख उपचार की एक स्वस्थ परम्परा का संवाहक बनकर समाज को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के मार्ग पर अग्रसर करता है ।

इकाई 1-प्राथमिक चिकित्सा अर्थात् रसोईघर (10 घण्टे)

इकाई 2- व्याधियों के अनुसार पथ्यापथ्य (भाग-1) (10 घण्टे)

इकाई 3- व्याधियों के अनुसार पथ्यापथ्य (भाग-2) (10 घण्टे)

इकाई 4- चमत्कारी घरेलू उपचार (भाग-1) (10 घण्टे)

इकाई 5- चमत्कारी घरेलू उपचार (भाग-2) (10 घण्टे)

पाठ्यपुस्तकम्-

उपचार पद्धति, प्रकाशन- द्विव्य प्रकाशन, द्विव्य योग मन्दिर ट्रस्ट, हरिद्वार।

BDPHVA-106(1) - गीता-स्मरणम्

क्रेडिट:-03

घण्टें:-45

इकाई 1- अध्याय - प्रथम, द्वितीय, तृतीय	10 घंटे
इकाई 2- अध्याय - चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ, सप्तम्	10 घंटे
इकाई 3- अध्याय - अष्टम, नवम्, दशम, एकादश	10 घंटे
इकाई 4- अध्याय - द्वादश, त्रयोदश, चतुर्दश, पञ्चदश	10 घंटे
इकाई 5- अध्याय - षोडश, सप्तदश, अष्टादश	10 घंटे

निर्धारित ग्रन्थ- श्रीमद्भगवद्गीता-स्वामी रामदेव-दिव्य प्रकाशन पतंजलि योगपीठ हरिद्वार
श्रीमद्भगवद्गीता मूलपाठ (सहायक ग्रन्थ)

BDPHVA-106(2) पञ्चोपदेशस्मरणम्

क्रेडिट:-03

घण्टें:-45

इकाई 1- अष्टाध्यायी	20 घंटे
इकाई 2- धातुपाठ	10 घंटे
इकाई 3- उणादिकोश	10 घंटे
इकाई 4- लिङ्गानुशासन	05 घंटे
इकाई 5- पारिभाषिक	05 घंटे

पाणिनीय शब्दानुशासनम्-सत्यानन्दवेदवागीशः निर्धारित ग्रन्थ

सहायकग्रन्थ- पाणिनीय अष्टाध्यायी, धातुपाठ, पारिभाषिक सम्पादक:- योगर्षि स्वामी रामदेव प्रकाश:- दिव्य प्रकाशन पतंजलि योगपीठ हरिद्वार

क्रेडिट:-03

घण्टें:-45

BDPHVA-106(3) (यज्ञविज्ञानम्)

10 घंटे

इकाई 1- यज्ञ शब्द का परिचय (निर्वचन व परिभाषा) यज्ञ का इतिहास, शास्त्रीय व प्रमाण व महत्व आदि।

10 घंटे

इकाई 2- यज्ञ के प्रकार, पंचमहायज्ञों का परिचय देवयज्ञ, ब्रह्मयज्ञादि के मंत्रों की व्याख्या यज्ञ सामग्री, समिधा आदि का परिचय।

10 घंटे

इकाई 3- शास्त्रों में वर्णित यज्ञ के अन्य प्रकार व महत्व, यज्ञ का व्यवहारिक पक्ष।

इकाई 4- यज्ञ का वैज्ञानिक विश्लेषण, यज्ञचिकित्सा शोध कार्य ग्लोबल वार्मिंग समस्या का समाधान।

इकाई 5- यज्ञ का रोगों पर प्रभाव, यज्ञ एवं योग का प्रभाव।

10 घंटे

Semester-II

प्रश्नपत्र (1)

क्रेडिट:-06

घण्टें:-90

BDPHMJ-201 - न्याय-दर्शनम् I

(प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)

इकाई प्रथम :- प्रमाणादि षोडश पदार्थों का उद्देश्य एवं लक्षण (13 घण्टे)

इकाई द्वितीय :- वाद, जल्प एवं वितण्डा का स्वरूप, हेत्वाभास का लक्षण एवं प्रभेद, (13 घण्टे)
छल का स्वरूप एवं प्रकार।

इकाई तृतीय :-प्रमाण सामान्य परीक्षा प्रकरण, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द प्रमाण की (13 घण्टे)
परीक्षा, वेद का प्रामाण्य।

इकाई चतुर्थ :- प्रमाण का चतुष्ट्वत्व, शब्द का अनियत्व (13 घण्टे)

इकाई पञ्चम :- शब्द प्रमाण प्रकरण, शब्दशक्तिपरीक्षा प्रकरण (12 घण्टे)

इकाई षष्ठ- उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण व लेखन। (13 घण्टे)

निर्धारित पाठ्यपुस्तक - न्यायदर्शन, आचार्य उदयवीर शास्त्री ,
प्रकाशक-विजयकुमार, गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई सड़क, दिल्ली- 110006

एवं न्यायदर्शनम्, प्रकाशक-दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

सहायक-ग्रन्थ- विद्योदयभाष्य सहित न्यायदर्शन (आचार्य आनन्द प्रकाश)।

प्रकाशक- आर्ष शोध संस्थान अलियाबाद।

क्रेडिट:-04

प्रश्नपत्र (2)

घण्टें:-60

BDPHMN-202 - सांख्य-दर्शनम् II

(Credit-4)

इकाई-1 चतुर्थ अध्याय (15 घण्टे)

इकाई-2 पंचम अध्याय (15 घण्टे)

इकाई-3 षष्ठ अध्याय (16½ घण्टे)

इकाई-4 कण्ठस्थीकरण, सूत्रार्थ एवं विषय परिचय (15 घण्टे)

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ - सांख्यदर्शनम्, दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

सहायक ग्रन्थ - सांख्यदर्शन- आचार्य उदयवीर शास्त्री जी।

प्रकाशक-विजयकुमार, गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई सड़क, दिल्ली- 110006

BDPHID-203(1)- इतिहास:- II (प्राचीन भारत का इतिहास)

क्रेडिट:-04

घण्टें:-60

इकाई प्रथम- मौर्योत्तर राजवंशों का परिचय (15 घण्टे)

इकाई द्वितीय- विदेशी राजवंश (13 घण्टे)

इकाई तृतीय- गुप्तवंश परिचय (16 घण्टे)

इकाई चतुर्थ- मौर्योत्तर काल से गुप्त काल तक सांस्कृतिक विकास (16 घण्टे)

इकाई पञ्चम- प्रयोगात्मक वक्तव्य (30 अंक)

पाठ्य पुस्तक- शर्मा, एल0 पी0: प्राचीन भारत, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा, 2022

उपेन्द्र सिंह: प्राचीन और पूर्व मध्यकालीन भारत का इतिहास पाषाण काल से 12 वीं शताब्दि ई0 rd, Delhi 2016.

क्रेडिट:-04

घण्टें:-60

BDPHID-203(2)- - समाजविज्ञानम्-II (भारतीय समाज)

इकाई प्रथम- भारतीय समाज की संरचना (16 घण्टे)

इकाई द्वितीय-हिन्दू सामाजिक संगठन आश्रम, पुरुषार्थ कर्म सिद्धान्त (16 घण्टे)

इकाई तृतीय- भारत में विवाह और परिवार (14 घण्टे)

इकाई चतुर्थ- भारत में जाति व्यवस्था का परिचय (14 घण्टे)

इकाई पञ्चम- प्रयोगात्मक वक्तव्य (30 अंक)

पाठ्य पुस्तक- राव, सी.एन. शंकर, भारतीय समाज का समाजशास्त्र, एस.चंद एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (संशोधित संस्करण), 2004.**BDPHID-203(3)- राजनीतिशास्त्रम् - II (भारत का स्वतंत्रता संग्राम एवं स्वातंत्र्योत्तर भारत)**

क्रेडिट:-04

घण्टें:-60

इकाई प्रथम- 1857 का विद्रोह (16 घण्टे)

इकाई द्वितीय-बंगाल विभाजन और स्वदेशी आन्दोलन (16 घण्टे)

इकाई तृतीय- हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (14 घण्टे)

इकाई चतुर्थ- गांधीवादी युग का परिचय (14 घण्टे)

इकाई पञ्चम- प्रयोगात्मक वक्तव्य (30 अंक)

पाठ्य पुस्तकें-

1. महाजन, बी.डी.आधुनिक भारतीय इतिहास, एस.चंद, नई दिल्ली, 2022
2. चानरा, बी. इंडियाज स्ट्रगल फॉर इंडिपेंडेंस, एस.चंद, नई दिल्ली, 2022

BDPHID-203(4)- संस्कृतसाहित्यम्-II

क्रेडिट:-04

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

घण्टें:-60

1. संस्कृत व्याकरण से सम्बद्ध शिक्षा ग्रन्थ में वर्णित वर्णों के उच्चारण से सम्बन्धित प्रयत्नों का बोध कराना।
2. व्याकरण सम्बन्धी श्रेष्ठ संज्ञाओं का पुनः बोध कराना।
3. व्याकरण में प्रयुक्त परिभाषा सूत्रों का सामान्य बोध, अच् सन्धि तथा हल् सन्धि विज्ञयक ज्ञान कराना।

प्रथम इकाई- कारक प्रकरणम् -

कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, अधिकरण कारक ।

द्वितीय इकाई- समासप्रकरणम् -

तत्पुरुज समास, बहुब्रीहि समास, द्वन्द समास, अव्ययीभाव समास ।

तृतीय इकाई- शब्दरूप, धातुरूप (1-15 अभ्यास पर्यन्त), अनुवाद, संख्याएँ (1-100) ।

चतुर्थ इकाई- रघुवंश महाकाव्यम् - द्वितीयः सर्गः ।

पञ्चम इकाई- वैराग्य शतकम् - 50 श्लोक।

परिणाम-

1. संस्कृत व्याकरण के आधारभूत ज्ञान से शब्दों की वैज्ञानिक पद्धति से परिचित होकर शब्दार्थ व वाक्यार्थ बोध करने व कराने में सक्षम हो जाता है।
2. वर्णोच्चारण शिक्षा के बोध से वर्णों एवं शब्दों के शुद्धतापूर्वक उच्चारण करने में समर्थ हो जाता है तथा वाणी में व्याख्यान का सामर्थ्य विकसित हो जाता है।
3. संज्ञाओं के ज्ञान से पाणिनीय व्याकरण को सम्यक् रूप से समझने में समर्थ हो जाता है।
4. सन्धियों के परिचय से सन्धि विच्छेद व शब्दार्थ बोध के माध्यम से संस्कृत वाङ्मय में आये हुए सन्धियुक्त पदों का ज्ञान करने व कराने में सक्षम हो जाता है।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक-

रघुवंश महाकाव्यम् - प्रकाशक- चौखम्भा ओरियन्टलिया, दिल्ली - 11007, (भारत)।

वैराग्यशतकम् - प्रकाशक- रामकृष्ण मिशन, बंगला हॉस्पिटल, हरिद्वार ।

सहायक ग्रन्थ - व्याकरण प्रवेश, रचनानुवाद कौमुदी।

प्रकाशक- विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी-22100

प्रश्नपत्र (4)

क्रेडिट:-02

BDPHAE-204 - पर्यावरणविज्ञानम्

घण्टें:-30

पर्यावरण परिचय-

इकाई प्रथम- पर्यावरण विज्ञान परिचय	(14 घण्टे)
इकाई द्वितीय- जनसंख्या एवं प्रदूषण	(16 घण्टे)
इकाई तृतीय- पर्यावरण बचाव हेतु जनजागरण	(15 घण्टे)
इकाई चतुर्थ- प्राकृतिक संसधनों का संरक्षण	(15 घण्टे)
इकाई पञ्चम- प्रयोगात्मक गतिविधियाँ	(30 अंक)

पाठ्य पुस्तकें:- 1. पर्यावरण अध्ययन- (डॉ. रतन जोशी), साहित्य भवन, पब्लिकेशन।

2. पर्यावरण अध्ययन- (अनिदिता बसाक), पियरसन, पब्लिकेशन।

3. पर्यावरण अध्ययन- स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यपुस्तक, (एरेक भरुचा, ओरियंट ब्लेकस्वांग पब्लिकेशन्स) 4. पर्यावरण अध्ययन- स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यपुस्तक, (डॉ. जे.पी. शर्मा. लक्ष्मी पब्लिकेशन प्रा. लि.)

क्रेडिट:-03

BDPHSE-205(1) संस्कृतलेखनकौशलम्

घण्टें:-45

इकाई 1- वैदिकाः शास्त्रीयाश्च निबन्धाः

(8 घण्टे)

- 1) वेदानां महत्त्वम्
- 2) वेदाङ्गानां महत्त्वम्
- 3) मुखं व्याकरणं स्मृतम्
- 4) उपनिषदां महत्त्वम्
- 5) गीता सुगीता कर्तव्या
- 6) रम्या रामायणी कथा
- 7) भारतं पञ्चमो वेदः
- 8) पुराणं पञ्चलक्षणम्
- 9) पुराणानां महत्त्वम्
- 10) विद्यावतां भागवते परीक्षा

इकाई 2- दार्शनिका निबन्धाः

(8 घण्टे)

- 1) भारतीयदर्शनानां महत्त्वं वैशिष्ट्यं च
- 2) कर्मण्येवाधिकारस्ते0
- 3) नास्ति सांख्यसमं ज्ञानम्
- 4) एकं सांख्यं च योगं च यः पश्यति स पश्यति

5) नास्ति योगसमं बलम्

6) ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या

शैक्षणिक निबन्ध

1) संस्कृतभाषाया महत्त्वम्

2) संस्कृतस्य रक्षार्थं प्रसारार्थं चोपायाः

3) आचार्यदेवो भव

इकाई 3- सांस्कृतिकाः निबन्धाः

(8 घण्टे)

1) वैदिकी संस्कृतिः

2) भारतीया संस्कृतिः

3) संस्कृतिः संस्कृताश्रया

4) भारतीयसंस्कृतौ नारीणां स्थानम्

5) नहि सत्यात् परो धर्मः

6) अहिंसा परमो धर्मः

7) यतो धर्मस्ततो जयः

8) परोपकाराय सतां विभूतयः

9) आचारः परमो धर्मः

इकाई 4-(क) सामाजिक निबन्ध

(8 घण्टे)

1) महर्जिदयानन्दः

2) स्त्रीशिक्षाया आवश्यकता-उपयोगिता च

3) चातुर्वर्ण्यं मया सञ्चटं गुणकर्मविभागशः

(ख) प्रकीर्णाः निबन्धाः

1) ज्वलितं न हिरण्यरेतसं चयमास्कन्दति भस्मनां जनः

2) धर्मार्थकाममोक्षाणाम् आरोग्यं मूलमुत्तमम्

3) उद्योगिनं पुरुजसिंहमुपैति लक्ष्मीः

4) उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत्

5) योगः कर्मसु कौशलम्

6) गुणाः पूजास्थानं गुणिजु न च लिङ्गं न च वयः

7) विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्

8) सत्सङ्गतिः कथय किं न करोति पुंसाम्

इकाई 5- आधुनिक निबन्धाः

(8 घण्टे)

1) विज्ञानस्योपलब्धयः, दोषाश्च

2) पर्यावरण-संरक्षणम्

3) वर्तमान-युगे संगणकस्य (कम्प्यूटरस्य) उपयोगित्वम्

4) संस्कृतं संगणकः च

- 5) आतंकवादः, समस्या, तत्समाधानं च
- 6) दूरदर्शनस्योपयोगिता, प्रभावश्च
- 7) आधुनिकी शिक्षा-पद्धतिः, गुण-दोष-विमर्शः
- 8) वर्तमान-युगे नारीणां स्थितिः
- 9) महिलानां सशक्तीकरणम् आरक्षणं च
- 10) भ्रष्टाचारः, समस्या समाधानं च

पाठ्यपुस्तकम्- संस्कृतनिबन्धशतकम्, लेखक- डॉ० कपिल द्विवेदी, प्रकाशन-विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

BDPHSE-205(2) संङ्गीतम्-II

क्रेडिटः-03

घण्टेः-45

1. Notations of your compositions.
2. Biography & life sketch of Famous Gurus, Dancers, Mridang players
3. Technical terms used in your dance style.
4. Tala, Raga, composer, story of your own composition with special reference to Rasa, Bhava, Anubhava, Vyabhichari etc.
5. Short notes on Nayak-Nayika with reference to your compositions.

BDPHSE-205(3) गोविज्ञानम्

क्रेडिटः-03

घण्टेः-45

प्रथम इकाई- गो शब्द का अर्थ एवं पर्यावाची शब्द, गोवंश परिचय (नस्लें), देशी गोवंश तथा विदेशी गायों में अन्तर गो का अन्य पशुओं से वैशिष्ट्य, गो महात्म्य के विज्ञय में महापुरुषों के विचार, प्राचीन काल में गोसंवर्धन का स्वरूप तथा वर्तमान काल में गोसंवर्धन का स्वरूप। भारत के विभिन्न प्रान्त में पायी जाने वाली गो नस्लें एवं पालन। (10 घण्टे)

द्वितीय इकाई- संस्कृत वाङ्मय में गो का महत्व- वेदों (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद) के अनुसार गो महिमा, स्मृतियों, उपनिषदों आयुर्वेद ग्रन्थों, पुराणों, महाभारत, रामायण एवं अन्य ग्रन्थों के अनुसार गो महिमा।

तृतीय इकाई- विभिन्न आयुर्वेद ग्रन्थों के अनुसार- पञ्चगव्य का औषधीय प्रभाव एवं अरोग्यता- (10 घण्टे)

1. गोदुग्ध
2. गोदधि
3. गोनवनीत तथा गोघृत
4. गोमूत्र
5. गोमय (गोबर)गोवर्ण एवं गो आयु का वैशिष्ट्य।
6. गोवंश सुधार की आवश्यकता दुधारु तथा स्वस्थ गोवंश।

चतुर्थ इकाई- गो मेध यज्ञ का वास्तविक स्वरूप, गोदान की परम्परा एवं गो पूजा का महात्म्य, गो हत्या एवं गोमांस सेवन का निषेध, वर्तमान परिपेक्ष्य में गो संवर्धन की आवश्यकता एवं लाभ तथा इसकी वैज्ञानिकता। गो सेवा से विभिन्न रोगों से मुक्ति पाप का क्षय पुण्य की प्राप्ति। उन्नत कृषि हेतु गो संरक्षण। जैविक खाद कीटनाशक के रूप में गोमूत्र का प्रयोग।

पञ्चम इकाई- सुन्दर, समृद्ध आर्थिक आत्मनिर्भर व्यक्ति तथा समाज के लिए गो महत्व, भारत वर्ष की प्रमुख गोशालाएं एवं गोधन, वर्तमानकाल में गोपालन की समस्या एवं समाधान। उन्नत बैल अथवा नन्दी का सदुपयोग। गो संवर्धन में योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज (पतंजलि योगपीठ) का योगदान। गोशालाओं की आत्मनिर्भरता के लिए गोमूत्र संयंत्र तथा गोमय (गोबर) से बनी समिधा एवं अन्य वस्तुओं का निर्माण। गो आधारित प्रेरक कथाएं तथा सूक्तियां।

BDPHSE-205(4) योगचिकित्सा-२

क्रेडिट:-03

उद्देश्य :

घण्टें:-45

- भारतीय पुरातन चिकित्सा पद्धति के समन्वित स्वरूप का बोध कराना ।
- समन्वित चिकित्सा पद्धति के व्यावहारिक एवं प्रयोगात्मक अभ्यास द्वारा साध्य एवं असाध्य रोगों का निदान।
- योग, आयुर्वेद, पञ्चकर्म, षट्कर्म, नेचुरोपैथी, आहार चिकित्सा, यज्ञचिकित्सा, एक्यूपंचर, एक्यूप्रेशर एवं फिजियो थैरेपी जैसे समन्वित भारतीय पुरातन चिकित्सा पद्धतियों के सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक बोध द्वारा योग्य एवं प्रशिक्षित व्यक्तित्व का निर्माण करना।

परिणाम :

- समन्वित चिकित्सा पद्धति में प्रशिक्षित विद्यार्थी समाज में साध्य-असाध्य रोगों से पीडित रोगियों को उपचार देकर उन्हें सम्पूर्ण आरोग्य का लाभ प्रदान करता है एवं भारतीय पुरातन चिकित्सा व्यवस्था के प्रचार प्रसार में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है ।
- सेवा निष्ठ आजीविका का आलम्बन लेकर स्वयं आत्मनिर्भर होता हुआ अन्यो को भी रोजगार परख सेवा क्षेत्र में नियोजित करता है, उपकार परख उपचार की एक स्वस्थ परम्परा का संवाहक बनकर समाज को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के मार्ग पर अग्रसर करता है ।

इकाई 1-मिट्टी चिकित्सा, सूर्य चिकित्सा (10 घण्टे)

इकाई 2- जल चिकित्सा (हाइड्रोथेरेपी) (10 घण्टे)

इकाई 3- मसाज के विविध प्रकार एवं प्रयोग (10 घण्टे)

इकाई 4- प्राकृतिक चिकित्सा (नेचुरोपैथी) (10 घण्टे)

इकाई 5- वैकल्पिक चिकित्सा एवं षट्कर्म (10 घण्टे)

पाठ्यपुस्तकम्-

समग्र उपचार, प्रकाशन- द्विव्य प्रकाशन, द्विव्य योग मन्दिर ट्रस्ट, हरिद्वार।

BDPHVA-206(1)- दर्शनस्मरणम्

क्रेडिट:-03

घण्टें:-45

इकाई 1- योगदर्शनम्	05 घंटे
इकाई 2- सांख्यदर्शनम्	10 घंटे
इकाई 3- न्यायदर्शनम्	15 घंटे
इकाई 4- वैशेषिक	10 घंटे
इकाई 5- वेदान्त, मीमांसा	10 घंटे

BDPHVA-206(2)- (उपनिषद्-स्मरणम्)

क्रेडिट:-03

घण्टें:-45

इकाई 1- ईशोपनिषद् + केनोपनिषद् + कठोपनिषद्	10 घंटे
इकाई 2- प्रश्न + मुण्डकोपनिषद्	10 घंटे
इकाई 3- माण्डूक्योपनिषद् + ऐतरेयोपनिषद्	10 घंटे
इकाई 4- तैत्तिरीयोपनिषद्	10 घंटे
इकाई 5- श्वेताश्वतरोपनिषद्	10 घंटे

Objectives: Following the completion of the course, students shall be able to:

- Understand the benefits, procedure and contraindications of all practices.
- Demonstrate each practice with confidence and skill.
- Explain the procedure and subtle points involved.

Unit I: Eight Baithak by Yogrishi Swami Ramdev ji

(12 Hours)

Ardhbaithak, Purnabaithak, Rammurtibaithak, Pahalwani baithak-1, Pahalwanibaithak-II, Hanuman baithak -1, Hanuman baithak-11,

Unit II: Twelve Dand by Yogrishi Swami Ramdev ji

(15 Hours)

Simple Dand, RammurtiDand, VakshvikasakDand, Hanuman Dand, VrishchikDand-I, VrishchikDand-II, Parshvadand, Chakradand, Palatdand, Sherdand, Sarpdand, Mishradand (mixed Dand)

Unit III: Surya Namaskara &Yogasana (Supine lying postures)

(18 Hours)

Suryanamaskar, Naukasana, Pavanamuktasana, Utthana-padasana, Padavrittasana, Chakrikasana, Chakkichalana, ArdhaHalasana, Halasana, Setubandhasana, Sarvangasana, Matsyasana, Chakrasana, Shavasana.

Unit IV: Pranayama

(22 Hours)

NadiShodhana (Technique 1: Same Nostril Breathing), NadiShodhana (Technique 2: Alternate Nostril Breathing), NadiShodhana (Technique 3: Alternate Nostril Breathing + Antarkumbhak); NadiShodhana (Puraka + AntarKumbhak + Rechaka + BahyaKumbhak) (1:4:2:2);

Unit V: Mudra & Shatkarmas (Only One kriya)

(23 Hours)

Hasta Mudra: Chin, Jnana, Hridaya, Bhairav, Yoni, Pran, Apan, Apanvayu, Shankh, Kamajayi, Shatkriya, Neti (Jalneti, Rubber Neti)

Continuous Evaluationby the Teachers

TEXT BOOKS

1. Balkrishna Acharya: (2015), DainikYogabhyasakram, DivyaPrakashan, Haridwar.
2. Randev Y.S. 2015: Dand-baithak, DivyaPrakashan, Haridwar
3. Saraswati S. S. (2006). Asana Pranayama and Mudra Bandha, "Yoga Publication Trust." Munger, Bih

Continuous Evaluationby the Teachers

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार
पाठ्यक्रम - B.A. द्वितीय वर्ष, दर्शन के साथ योग
Semester -III

क्रेडिट:-04

घण्टें:-60

प्रश्नपत्र- (1)

BDPHMJ-301 न्याय दर्शन-2

उद्देश्य- 1. शरीरादि व्यतिरिक्त आत्मवाद का बोध।
2. शून्यवाद आदि मतों की जानकारी।

प्रथम इकाई- इन्द्रिय व्यतिरिक्ता आत्मा प्रकरण, शरीर व्यतिरिक्त आत्म प्रकरण, चक्षुराद्वैता प्रकरण, मनोव्यतिरिक्त आत्मा प्रकरण, आत्मा नित्यता प्रकरण, शरीर परीक्षा प्रकरण। 12 घण्टे

द्वितीय इकाई - इन्द्रिय भौतिकत्व प्रकरण, इन्द्रिय नानत्व प्रकरण, अर्थ परीक्षा प्रकरण। 12 घण्टे

तृतीय इकाई - बुद्धि अनित्यता प्रकरण, क्षणभंग प्रकरण, बुद्धेरात्मागुणत्व प्रकरण। 12 घण्टे

चतुर्थ इकाई - बुद्धेरुत्पन्नापर्वगत्वा प्रकरण, बुद्धेशरीरगुणवितरेक प्रकरण, मनः परीक्षा प्रकरण, आदृष्टानिष्पाद्यत्व प्रकरण। 12 घण्टे

इकाई पञ्चम - उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण व लेखन। 12 घण्टे

परिणाम- 1. शरीरादि व्यतिरिक्त आत्मवाद का बोध करना।
2. शून्यवाद आदि मतों का निराकरण करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम- न्याय दर्शन, आचार्य उदयवीर शास्त्री, प्रकाशक-विजय कुमार, गोविन्दराम, हासानन्द, 4408 नई सड़क, नई दिल्ली-110006

न्यायदर्शनम्-डॉ. साध्वी देवप्रिया, प्रकाशक- दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

प्रश्नपत्र- (2)

BDPHMJ-302 न्याय दर्शन-3

उद्देश्य- 1. फल, दुःख एवं अपवर्ग की परीक्षा से उनके स्वरूप का बोध।
2. तत्वज्ञान की प्राप्ति के साधनों का ज्ञान।

प्रथम इकाई - दोषोत्रैराश्या प्रकरण, प्रेत्यभाव परीक्षा प्रकरण, शून्यता उपादान प्रकरण, ईश्वर उपादान प्रकरण, आकस्मिकत्वा उपादान प्रकरण, सर्व अनियतत्वा निराकरण प्रकरण, सर्वनियतत्वा निराकरण प्रकरण, सर्वपृथक्त्वा निराकरण प्रकरण, सर्वशून्यता निराकरण प्रकरण, संख्यैकान्तवाद प्रकरण। 20 घण्टे

द्वितीय इकाई - फल परीक्षा प्रकरण, दुःख परीक्षा प्रकरण, अपवर्ग परीक्षा प्रकरण। 13 घण्टे

तृतीय इकाई - तत्वाज्ञान उत्पत्ति प्रकरण, अव्ययी प्रकरण, निराव्ययी प्रकरण। 13 घण्टे

चतुर्थ इकाई - बाह्यार्थभंगनिराकरण प्रकरण, तत्वज्ञान विवरद्धि प्रकरण, तत्वज्ञान परीपालन प्रकरण 13 घण्टे

पंचम इकाई - उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण व लेखन। 13 घण्टे

परिणाम- 1. फल, दुःख एवं अपवर्ग की परीक्षा से उनके स्वरूप का बोध कराना।
2. तत्वज्ञान की प्राप्ति के साधनों का ज्ञान कराना।

निर्धारित पाठ्यक्रम- न्याय दर्शन, आचार्य उदयवीर शास्त्री, प्रकाशक-विजय कुमार, गोविन्दराम, हासानन्द, 4408 नई सड़क, नई दिल्ली-110006

न्यायदर्शनम्-डॉ. साध्वी देवप्रिया, प्रकाशक- दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

- उद्देश्य-**
1. सांख्यकारिका के मूल श्लोकों के वाचन का बोध।
 2. सांख्यकारिका के मूल श्लोकों के लेखन का बोध।
 3. सांख्यकारिका के श्लोकों के अर्थों का ज्ञान।
 4. सांख्य की परिभाषा का बोध।

प्रथम इकाई- सांख्यप्रतिपादित ज्ञान की उपादेयता, वैदिक उपायों की अनुपादेयता, प्रमेयभूत पचीस तत्वों का परिचय, त्रिविध प्रमाण वर्णन, तीनों प्रमाणों का लक्षण, प्रमाणों का उपयोग, विद्यमान पदार्थों की उपलब्धि में हेतु, प्रकृति और पुरुष की उपलब्धि में हेतु, सत्कार्यवाद की स्थापना, व्यक्त और अव्यक्त का वैधर्म्य, व्यक्त-अव्यक्त का साधर्म्य तथा पुरुष से वैधर्म्य, गुणों का स्वरूप-निरूपण, अविवेकित्वादि तथा प्रधान की सिद्धि, अवयक्त की कारणता में हेतुत्व-स्थापना, अवयक्त की प्रवृत्ति के दो प्रकार।

20 घण्टे

द्वितीय इकाई- पुरुष की सिद्धि, पुरुष बहुत हैं, पुरुष के धर्म, पुरुष के कर्तृत्व का भ्रम, प्रकृति-पुरुष के संयोग में हेतु, सृष्टि का क्रम, बुद्धि के लक्षण और धर्म, अहंकार के लक्षण और उससे सर्ग की प्रवृत्ति, द्विविधा सृष्टि, इन्द्रिय विभाग, मन का इन्द्रियत्व और उसका लक्षण, इन्द्रियों की वृत्तियाँ, अन्तःकरण की वृत्ति के दो प्रकार, वृत्तियों की क्रमिकता, पुरुषार्थ ही इन्द्रियों की प्रवृत्ति, करणों का लक्षण और उनका कार्य, बाह्य आभ्यन्तर रूप से उनका विभाग, बाह्येन्द्रियों के विषय करणों में परस्पर गौण-प्रधानभाव, बुद्धि का प्राधान्य, बुद्धि की प्रधानता में हेतु।

20 घण्टे

तृतीय इकाई- विशेषों के तीन प्रकार, सूक्ष्म शरीर निरूपण, सूक्ष्मशरीर को स्थूल की अपेक्षा, सूक्ष्म का संसरण और नानारूपता, भावों के विभाग, निमित्त नैमित्तिक प्रसंग से विविध गति, बुद्धिसर्ग निरूपण, पूर्वोक्त पचास भेदों का विवरण, विपर्यय के अवान्तर भेद, अशक्ति के 28 भेद, नवधा तुष्टि, आठ प्रकार की सिद्धि और उसके प्रतिरोध, द्विविध सर्ग का प्रयोजन, भौतिक सर्ग का निरूपण।

20 घण्टे

चतुर्थ इकाई- सात्त्विकादि सृष्टियाँ, दुःख का कारण, पुरुषार्थ प्रकृति सर्ग, जड़ प्रधान की प्रवृत्ति में उदाहरण, पुरुष के मोक्ष के लिए प्रकृति की प्रवृत्ति, प्रकृति की स्वयं निवृत्ति, प्रकृति का निःस्वार्थ साधन, प्रकृति की सुकुमारता, बन्ध-मोक्ष प्रकृति के होते हैं पुरुष के नहीं, प्रकृति के बन्ध-मोक्ष में हेतु, तत्वाभ्यास से ज्ञानोदय, ज्ञान से वास्तविक स्वरूप दर्शन, प्रकृति साक्षात्कार से सर्ग निवृत्ति, सम्यक् ज्ञान से जीवन मुक्ति, प्रधान के निवृत्त होने पर पुरुष को कैवल्य प्राप्ति, फलस्तुति।

20 घण्टे

पंचम इकाई- सम्पूर्ण सांख्यकारिका कण्ठस्थीकरण, कारिकार्थ एवं विषय परिचय

10 घण्टे

- परिणाम-**
1. सांख्यकारिका के मूल श्लोकों का वाचन।
 2. सांख्यकारिका के मूल श्लोकों का लेखन।
 3. सांख्यकारिका के श्लोकों के अर्थों का परिचय।
 4. सांख्य की परिभाषा।

सम्पूर्ण सांख्यकारिका

सन्दर्भग्रन्थ - सांख्यकारिका (श्रीमदीश्वरकृष्णविरचिता)

Course Objectives-

The main objective of this paper is to understand historical processes between 3rd Century AD and 6th Century AD. Though the chronology of the paper starts at 3rd Century AD, an initial background is given starting from that post Mauryan period starting with the Gupta and ending with post Gupta scenario,

Unit I: Political History of Gupta Period

7 Hours

Origin and development of Gupta Dynasty, Early History of Guptas- Shri Gupta and Ghatotkach, Founder of the great Gupta Dynasty- Chandragupta I, Achievements of Samudragupta, Mighty, Virtuous, Digvijayi and the great Gupta king who presented the concept of Greater India.

Unit II: Political History of Gupta Period

7 Hours

Achievements Chandragupta Vikramaditya, Kumargupta and his successor- Skandgupta and Decline of the Imperial Guptas, Government and functions of the Council of Ministers during the Gupta period.

Unit III: Religious Status in the Gupta Period

8 Hours

Vedic Religion- Surya, Life of Tapovan, Method of Yagya, **Puranic Religions:** **Shaivism:** Bhakti Tradition of Shavism: Pashupat Tradition, Kapalika Tradition, Kalmukh Tradition, Bhakti Tradition, **Vaishnavism:** Panchratra, Bhagavat, Krishna and doctrine of embodiment: Bhagavan Vishnu ke das Avatar, **Shaktism:** Trideviyan- Historical sources of Lakshmi, Durga and Saraswati.

Unit IV: Literary and Creator

8 Hours

Development of Sanskrit literature - Fine literature like Avadan, Jataka Mala, Prayag Prashasti composed by Harishena, great poet Kalidas's texts, authors like Bharavi, Bhatti, Shudrak, Visakhadatta, Arthashastra, Dharmashastra, Buddhist literature and Jain literature.

Course Outcome:

The paper ensures that the students learn the changes in political, social, economic and cultural scenario happening during this chronological span. It will also teach them how to study sources to the changing historical processes.

Recommended Readings:

Pandey, V.C. Prachin Bharat ka Rajnitik Tatha Sanskritik Itihas, 2 Parts, Central Book Dipo Allahabad, Sharma, L.P.: History of Ancient India,

Raychoudhury, H.C., Prācīn Bhārata Kā Rājanītika Itihāsa (Hindi), Allahabad,

Singh, U., A History of Ancient and Early Medieval India, From The Stone Age To The 12th Century, Delhi 2016

Basham A. L. The Wonder that was India, London

प्रश्नपत्र- (4)

BDPHID-304(2) समाजशास्त्र

उद्देश्य-

- समाजशास्त्र का बोध।
- सामाजिक अवधारणाओं का ज्ञान।
- सामाजिक संरचना का बोध।
- सामाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता का ज्ञान।
- संस्कृति एवं सभ्यता के विश्लेषण का ज्ञान।

प्रथम इकाई

05 घण्टे

समाजशास्त्र का अर्थ, समाजशास्त्र की परिभाषा, समाजशास्त्र का क्षेत्र एवं महत्व, समाजशास्त्र की प्रकृति, सामाजिक विज्ञान के रूप में समाजशास्त्र, समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञान से सम्बन्ध भारत में समाजशास्त्र का इतिहास।

द्वितीय इकाई-

05 घण्टे

समाज की मौलिक अवधारणाएँ, समुदाय, समिति एवं संस्थाओं का अर्थ एवं अवधारणा, सामाजिक समूह, मानव एवं पशु समाज, सामाजिक संस्थाएँ, परिवार, नातेदारी, विवाह, धर्म, शिक्षा एवं राज्य।

तृतीय इकाई-

05घण्टे

संस्कृति एवं सभ्यता, सांस्कृतिक बहुलतावाद, बहुसंस्कृतिवाद एवं सांस्कृतिक सापेक्षवाद, संस्कृति की प्रमुख विशेषता: आत्मसातीकरण, पर-संस्कृतिग्रहण एवं एकीकरण, सामाजिक सांस्कृतिक प्रक्रियाएँ प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष।

चतुर्थ इकाई-

05घण्टे

सामाजिक संरचना, प्रस्थिति तथा भूमिका, सामाजिक प्रतिमान, जनरीतियाँ, लोकाचार, मूल्य, लोकाचार।

पंचम इकाई-

05घण्टे

सामाजिक स्तरीकरण: अर्थ, रूप एवं आधारभूत तत्व,
सामाजिक गतिशीलता: अर्थ, रूप एवं आधारभूत तत्व। प्रयोगात्मक गतिविधियाँ

परिणाम- 1. समाजशास्त्र का परिचय।

2. सामाजिक अवधारणाओं का परिचय।
3. सामाजिक संरचना का विवरण।
4. सामाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता का परिचय।
5. संस्कृति एवं सभ्यता के विश्लेषण का विवरण।

क्रेडिट:-02

घण्टें:-30

प्रश्नपत्र- (5)

BDPHAE-305 COMMUNICATIVE ENGLISH -5

Programme Objectives

- Develop the students' abilities in grammar, oral skills, reading, writing and study skills
- Students will heighten their awareness of correct usage of English grammar in writing and speaking
- Students will improve their speaking ability in English both in terms of fluency and comprehensibility
- Students will give oral presentations and receive feedback on their performance
- Students will increase their reading speed and comprehension of academic articles
- Students will improve their reading fluency skills through extensive reading
- Students will enlarge their vocabulary by keeping a vocabulary journal
- Students will strengthen their ability to write academic papers, essays and summaries using the process approach.

Language :

- Unseen Passage, Comprehension, Note Making, Summarizing, Referring to (70+30=100)
Encyclopaedia, Dictionary, thesaurus, academic reading material, Debate, Speech, Article, Paragraph.

Literature :

- Chanakya • Ramanujan
- Oscar Wild's **The Importance of Being Earnest (Act I)**

Interview Training Program :

- GD, Personal Interview, Presentation.

Course Specific Outcomes

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.
- Ability to speak and write clearly in standard, academic English

प्रश्नपत्र- (6)

BDPHSE-306(1) सस्वर वेदपाठ

उद्देश्य-

- वेदों की रक्षा करना।
- वेद, वेदों का विषय और वेदों के ऋषियों से लाभान्वित् होंगे।
- वेद पाठ के हर प्रकार के पाठों से अवगत कराना।
- अक्षरों(वर्णों) उच्चारण का सम्यक बोध कराना।

ईकाई-१

- i. वैदिक वाङ्मय परिचय
- ii. वेदों के ऋषियों, छन्द एवं देवताओं के स्वरूप का परिचय।
- iii. वेदों के मुख्य विषयों का परिचय।
- iv. वेद पाठ के आठ प्रकार के पाठों (जटा, माला, शिखा, रेखा, ध्वजा, दण्ड, रथ, घन)से अवगत कराना।
- v. मुख्य सूक्तों का परिचय (अग्नि सूक्त, वायु सूक्त, वागाम्भृणी, बृहस्पति, स्वस्तिवाचन, पुरुषसूक्त, नासदीयसूक्त, शान्तिकरण श्रद्धा, संगठन एवं दिनचर्या मन्त्रों का सस्वर उच्चारण)

ईकाई-२

- i. ऋग्वेदीय अग्नि सूक्त, वायु सूक्त, वागाम्भृणी सूक्त कण्ठपाठ अभ्यास एवं अर्थ सहित व्याख्या।
- ii. पुराने पाठ का आवृत्ति।

ईकाई-३

- i. पुरुष सूक्त नासदीय सूक्त, बृहस्पति सूक्त कण्ठपाठ अभ्यास एवं अर्थ सहित व्याख्या।
- ii. पुराने पाठ का आवृत्ति।

ईकाई-४

- i. कृष्ण युजर्वेदीय तैत्तिरीय आरण्यक मन्त्रपुष्पम् का परिचय।
- ii. पुराने पाठ का आवृत्ति।
- iii. मन्त्रपुष्पम् का पाठ एवं कण्ठस्थ अर्थ सहित व्याख्या।

iv. स्वस्तिवाचन शांतिकरण एवं दिनचर्यामंत्रों का सस्वर उच्चारण।

v. संगठन सूक्त के प्रतिदिन एक-एक मंत्र का अर्थ बोध।

परिणाम-

- वेद पाठ के प्रकारों (पाठों) का बोध होगा।
- अग्नि, वायु, सस्वर, पाठ एवं अर्थ बोध।
- वैदिक वाङ्मय के विषय में ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- एकाग्रता बढ़ती है, सात्विक हार्मोन्स पैदा होने से अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञान का एवं आनन्दमय अस्तित्व पुष्ट एवं प्रसन्न होता है।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- वैदिक सुक्त मञ्जरी, मुद्रक-ऋषि ऑफसेट प्रिन्टर्स, ज्वालापुर हरिद्वार।

प्रश्नपत्र- (6)

BDPHSE-306(2) संगीत

Objective-

1. Understand the fundamental concepts of music, including its origins, methods, types, and forms
2. Explore the nature of sound, its origin, and the elements of music such as notes, pitches, and rhythm. Learn about concepts like Shruti, Swar, Andolan, Laya, and Taal, including their types and characteristics. Gain knowledge of basic musical notes, scales, and octaves. Practice to Sing five Bhajans.
3. Understand the concept of Raag, its rules, classifications, and basic characteristics. Identify the ten Thaats and learn about their significance in Raag classification. Recognize three Raags belonging to each of the ten Thaats.
4. Study the lives and contributions of prominent musicians.

Unit I- Basic Knowledge & Definition of Music its origin, its methods its types, its forms.

Unit II- Sound, Origin of Sound, Nada, Types of Nada, Shruti & its Names in Order, Swar, Types of Swar, Andolan, Types of Andolan and Knowledge of 7 Basic Notes & 5 vikrit notes, Saptak, Types of Saptak. Definition about Laya, Types of Laya, Sum, Tali, khaali. Knowledge & Demonstrate Some Taal's Such As Teentaal, Bhajni Taal, kehrwa, Dadra on Hand, Relation Between Music & Yog, Practices of Five Bhajan

Unit III- Brief Definition about Raag, Rules of Raag, Jaati of Raag & Knowledge of 10 That its basic speciality, Names of Three Raag Belongs to ten different Thaats.

Unit IV- Biography of Musicians-Tansen, Pandit Vishnu Narayan Bhatkhande, Lata Mangeshkar.

Outcomes-

1. Students will know what music is, where it comes from, and the different types it can have.
2. Students will understand how sound works and learn about notes, pitches, and how they change in music. They will learn about concepts like Shruti, Swar, Andolan, Laya, and Taal, including their types and characteristics. Students will acquire knowledge of basic musical notes, scales, and octaves, and practice singing five Bhajans.
3. Students will learn about Raag, its rules, and different types, helping them appreciate Indian classical music better.
4. Students will discover the lives of famous musician and understand their importance in music history.

Recommended Books:-

1. Sangeet Rachna Ratnakar Part – 1- Rajkishor Prasad Sinha (Author)
2. Raag parichaya Part – 1 to 4 – Harishchandra Srivastava (Author)
3. Sangeet Prasnottar Part – 1
4. Taal Parichaya – All parts – Acharya Girish Chandra Shrivastava (Author)
5. Adarsh Table Prashnotari Part – 1 – Dr. Rubi Shrivastava
6. Sangeet Praveshika – Acharya Girish Chandra Shrivastava (Author)
7. Kramik Pushtak Mallika Part – All Parts – V.N. Bhatkhande
8. Bhartiya Sangeet Itihas – Umesh & Jaydev Joshi
9. Sangeet Vadya - Ragmani

प्रश्नपत्र- (1)

घण्टें:-90

BDPHMJ-401 वैशेषिक दर्शन-1

- उद्देश्य-**
1. वैशेषिक दर्शन के सूत्रों का स्मरण।
 2. वैशेषिक दर्शन के सूत्रों के अर्थ का बोधा।
 3. द्रव्यादि पदार्थों का ज्ञान।

प्रथम इकाई - धर्म लक्षण और द्रव्य, गुण, कर्म, उद्देश्य, लक्षण प्रकरण साधर्म्यवैधर्म्य प्रकरण परसामान्य अपरसामान्य निरूपण 20 घण्टे

द्वितीय इकाई - पृथ्वी, जल, तेज, वायु, आकाश, (पंचमहाभूत) द्रव्य परीक्षा प्रकरण। काल, दिशा, परीक्षा प्रकरण, शब्द नित्यतत्त्वा प्रकरण हेतु एवं हेतुवाभास लक्षण निरूपण। 20 घण्टे

तृतीय इकाई - मन, आत्मा, परीक्षा प्रकरण, परमाणुकारणातावाद, कारण कार्य सिद्धान्त। 20 घण्टे

चतुर्थ इकाई - उत्क्षेपण, आवाक्षेपण, आकुंजना, प्रसारणा, गमना, कर्म निरूपण। 20 घण्टे

पंचम इकाई - उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण व लेखन। 10 घण्टे

- परिणाम-**
1. वैशेषिक दर्शन के सूत्रों का वाचन।
 2. वैशेषिक दर्शन के सूत्रों के अर्थ का परिचय।
 3. द्रव्यादि पदार्थों का परिचय।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:- वैशेषिक दर्शन- आचार्य उदयवीरशास्त्री, प्रकाशक-गोविन्दराम हासानन्द,
वैशेषिक दर्शन-आचार्य आनन्दप्रकाश, प्रकाशक-आर्श-शोध-संस्थान अलियाबाद,
वैशेषिक दर्शन- डॉ.साध्वी देवप्रिया,प्रकाशक-दिव्यप्रकाशन, हरिद्वार।

प्रश्नपत्र- (2)

BDPHMJ-402 वैशेषिक दर्शन-2

- उद्देश्य-**
1. धर्म-अधर्म का परिचय।
 2. वेद प्रमाण्य का समर्थन करना।
 3. गुणों का ज्ञान।

प्रथम इकाई - वेद प्रामाण्य प्रकरण धर्म-अधर्म विचार प्रकरण अदृष्टोत्पाद कर्म प्रकरण।	20 घण्टे
द्वितीय इकाई - रूप, रस, गन्ध, स्पर्श गुण परीक्षा प्रकरण संख्या परिमाण परीक्षा प्रकरण।	20 घण्टे
तृतीय इकाई - प्रकृत्वा, संयोग, विभाग, परत्वा और अपरत्वा परीक्षा प्रकरण।	20 घण्टे
चतुर्थ इकाई - प्रत्याक्षात्माक ज्ञान परीक्षा प्रकरण, अनुमित्यात्मका ज्ञान परीक्षा प्रकरण, अभाव परीक्षा प्रकरण, सुख, दुख परीक्षा प्रकरण।	20 घण्टे
पंचम इकाई - उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण व लेखन।	10 घण्टे

- परिणाम-**
1. धर्म-अधर्म का बोध।
 2. वेद प्रमाण्य का समर्थन करना।
 3. गुणों का ज्ञान।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:- वैशेषिक दर्शन- आचार्य उदयवीरशास्त्री, प्रकाशक-गोविन्दराम हासानन्द,
 वैशेषिक दर्शन-आचार्य आनन्दप्रकाश, प्रकाशक-आर्श-शोध-संस्थान अलियाबाद,
 वैशेषिक दर्शन- डॉ.साध्वी देवप्रिया,प्रकाशक-दिव्यप्रकाशन, हरिद्वार।

प्रश्नपत्र- (3)

BDPHMN-403 वैदिकेतर दर्शन-1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

- महान दर्शन सम्प्रदायों के संग्रहकर्ता माधवाचार्य जी का जीवन अवबोध कराना।
- चार्वाक दर्शन के मूल सिद्धान्तों व विचारों के प्रति सहज बोध करवाना।
- बौद्ध दर्शन की मूल मान्यताओं, सम्प्रदायों व उपदेशों से परिचित कराना।
- जैन दर्शन की महत्ता व मोक्ष के विषयों से छात्रों को परिचित कराते हुए अन्य दर्शनों से इसकी विशिष्टता का बोध कराना।

प्रथम इकाई:-वैदिक एवं वैदिकेतर दर्शन साहित्य और सूत्राकार परिचय 10 घण्टे

द्वितीय इकाई:- चार्वाक दर्शन, चार्वाक दर्शन का परिचय, प्रमाण मीमांसा, तत्व मीमांसा एवं सृष्टि विचार 10 घण्टे

तृतीय इकाई:- जैन दर्शन, जैन दर्शन का परिचय, तीर्थंकर परम्परा, सप्त तत्व, अष्ट कर्म, बंधन और मोक्ष (केवल्य), दिगंबर और श्वेतांबर मत 20 घण्टे

चतुर्थ इकाई:- बौद्ध दर्शन, महात्मा बुद्ध का जीवन परिचय, चार आर्य सत्य, प्रतीत्यसमुद्रपाद सिद्धांत अष्टांगिक मार्ग, निवारण की अवधारणा, हीनयान और महायान मत। 20 घण्टे

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- सर्वदर्शन संग्रह, प्रो. उमाशंकर शर्मा (ऋषि)

प्रकाशक-चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी

प्रश्नपत्र- (4)

BDPHMN-404, वैदिक साहित्य Part-1

क्रेडिट:-04

घण्टें:-60

- उद्देश्य- 1. उपनिषदों का सामान्य बोध।
2. केनोपनिषद् का सामान्य बोध।
3. कठोपनिषद् -नचिकेता के द्वारा पूछे गये तीन प्रश्नों की जानकारी।

प्रथम इकाई- ईशोपनिषद्	12 घण्टे
द्वितीय इकाई- केनोपनिषद्	12 घण्टे
तृतीय इकाई- कठोपनिषद्	12 घण्टे
चतुर्थ इकाई- प्रश्नोपनिषद्	12 घण्टे
पंचम इकाई- मुण्डकोपनिषद्	12 घण्टे

परिणाम- 1. उपनिषदों का सामान्य परिचय।

2. ईश, केन, कठ, प्रश्न, मुण्डक उपनिषदों का सामान्य परिचय।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक- एकादशोपनिषद्, डॉ. सत्यवर्त सिद्धान्तालंकार जी, प्रकाशक - विजयकृष्ण लखनपाल-डब्ल्यू-77 ए, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48

सहायक ग्रन्थ - उपनिषद् रहस्य - पण्डित भीमसेन शर्मा

प्रश्नपत्र- (5)

BDPHAE-405, **Communication Technology**

Objectives

The course helps the participants to,

- Understand the concept and purpose of Communication Technology
- Communicate with email by their own
- Join and organize online academic events
- Search the contents through Google and so
- Access various E-Resources to develop intelligence

Unit I	Introduction to Communication technology Definition, Types, Purpose and Input methods for Indian Languages/Scripts	(15 hours)
Unit II	Email Communication Gmail and Zimbra – How to create and use	(4 hours)
Unit III	Web Conference and Tools Google Meet, Google Classroom, Zoom – including live streaming	(10 hours)
Unit IV	Internet Search Google, YouTube, Blog	(10 hours)
Unit V	E-Resources E-Dictionaries, E-Books, E-Learning, Wiki for Indian Languages	(6 hours)

Outcomes

After completing the course, the learners will be able to

- Type Indian Script/s by using various Input methods
- Send and arrange emails
- Schedule and/or Join web conferences
- Search the contents through Google and so
- Access various E-Resources

Reference Book:

Course on Computer Concepts (CCC), Prof. Satish Jain & M. Geeta,
Rapidex Computer Course, Unicorn Books Pvt. Ltd

पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार
पाठ्यक्रम - B.A. तृतीय वर्ष, दर्शन के साथ योग
Semester-V

प्रश्नपत्र (1)

क्रेडिट:-06

BDPHMJ-501, वेदान्त दर्शन-पूर्वाह्न (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)

घण्टें:-90

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

- ब्रह्म की उपासना विविध अध्यात्म ग्रन्थों में वर्णित परिचय कराना।
- ब्रह्म जगत् एवं जीवात्मा के प्रति निमित्त कारणत्व सिद्ध कराना।
- वेदाध्ययन में मनुष्य मात्र का अधिकार एवं जगत् उत्पत्ति में प्रकृति का उपादान कारणत्व सिद्ध कराना।
- ब्रह्म जगत् एवं जीवात्मा के स्वरूप का बोध कराना।

20 घण्टे

इकाई प्रथम- (प्रथम एवं द्वितीय पाद) जगत् के प्रति ब्रह्म का निमित्त कारणत्व, ब्रह्म के विभिन्न नाम, विभिन्न अध्यात्म ग्रन्थों में ब्रह्म का उपास्यत्व, वैश्वानर आत्मा, ब्रह्म का द्यौ-भू आदि का आयतनत्व, वेदाध्ययन में मनुष्य मात्र का अधिकार।

20 घण्टे

इकाई द्वितीय- (तृतीय एवं चतुर्थ पाद) जगदोत्पत्ति में प्रकृति का उपादान कारणत्व एवं ब्रह्म का निमित्त कारणत्व। स्वतन्त्र प्रकृति कारण वाद का निराकरण क्षणिकवाद आदि मतों का खण्डन, जीवात्मा का अनुत्पत्ति धर्मत्व एवं कर्तृत्व निरूपण।

20 घण्टे

इकाई तृतीय- (द्वितीय अध्याय का प्रथम एवं द्वितीय पाद) स्मृति ग्रन्थों में प्रतिपादित उभयकारणवाद का समन्वय, स्वतन्त्रप्रकृतिकारणवाद का निराकरण, परमाणुवाद आदि मतों का निराकरण।

20 घण्टे

इकाई चतुर्थ- (तृतीय एवं चतुर्थ पाद) आकाशादि भूतों की उत्पत्ति एवं लय, जीवात्मा का नित्यत्व, अणुत्व एवं भोक्तृत्व धर्म, प्राणों की उत्पत्ति एवं स्वरूप। मुख्य प्राण का इन्द्रियों से भिन्नत्व।

इकाई पञ्चम- उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण व लेखन।

10 घण्टे

परिणाम-

1. ब्रह्म उपासना की विविध विधियों का परिचय।
2. ब्रह्म के जगत् के प्रति निमित्त कारण बताना।

3. प्रकृति का उपादान कारणत्व बताना।
4. वेदाध्ययन में मनुष्य मात्र का अधिकार होना।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक - ब्रह्मसूत्र, आचार्य उदयवीर शास्त्री।

प्रकाशक-विजयकुमार, गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई सड़क, दिल्ली- 110006
एवं ब्रह्मसूत्रम्, दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

प्रश्नपत्र (2)

BDPHMJ-502, वेदान्त दर्शन-उत्तरार्द्ध (तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

- वेदान्तदर्शन के साधनाध्याय व फलाध्याय के सूत्रार्थों से परिचय कराना।
- उपरोक्त अध्यायगत सूत्रों को कण्ठस्थ कराना।
- ब्रह्म की उपासना का वैदिक स्वरूप परिचय।

20 घण्टे

इकाई प्रथम- (तृतीय अध्याय का प्रथम एवं द्वितीय पाद) सूक्ष्म शरीर के साथ जीवात्मा का संरक्षण, परमात्मा का स्वरूप, जीवात्मा तथा परमात्मा का परस्पर सम्बन्ध परमात्मा का उपास्यत्व।

20 घण्टे

इकाई द्वितीय- (तृतीय एवं चतुर्थ पाद) जीवात्मा के साथ सूक्ष्म शरीर एवं प्राणादि का उत्क्रमण ब्रह्म उपासक का ब्रह्मलोक गमन, मुक्ति में जीवात्मा की स्थिति।

20 घण्टे

इकाई तृतीय- (चतुर्थ अध्याय का प्रथम एवं द्वितीय पाद) परमात्मा के जागृत आदि अवस्था का प्रतिषेध परमात्मा का कर्मफल प्रदातृत्व।

20 घण्टे

इकाई चतुर्थ- (तृतीय एवं चतुर्थ पाद) जीवात्मा के उत्क्रमण काल में वांगादि इन्द्रियों के लीनत्व मुक्तात्मा का शरीर से उत्क्रमण, देवत्व मार्ग का निरूपण एवं मुक्तात्मा का ऐश्वर्य।

10 घण्टे

इकाई पञ्चम- उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण व लेखन।

परिणाम-

1. वेदान्तदर्शन के साधन-साध्य का परिचय कराना।
2. जीवात्मा के साथ सूक्ष्म शरीर का परिचय कराना।
3. परमात्मा के जागृत आदि अवस्थाओं का विवरण देना।
4. देवत्व मार्ग का निरूपण।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- ब्रह्मसूत्र, आचार्य उदयवीर शास्त्री।

प्रकाशक-विजयकुमार, गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई सड़क, दिल्ली- 110006

एवं ब्रह्मसूत्रम्- दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

प्रश्नपत्र- (3)

BDPHMN-503 वैदिक साहित्य Part-2

- उद्देश्य-** 1. उपनिषदों का सामान्य बोध।
2. ऐतरीयोपनिषद् का सामान्य बोध।

प्रथम इकाई- वृहदारण्यक उपनिषद्	18 घण्टे
द्वितीय इकाई- छान्दोग्योपनिषद्	18 घण्टे
तृतीय इकाई- तैत्तरीयोपनिषद्	18 घण्टे
चतुर्थ इकाई- ऐतरीयोपनिषद्	18 घण्टे
पंचम इकाई- माण्डूक्योपनिषद्	18 घण्टे

परिणाम- 1. उपनिषदों का सामान्य परिचय।

2. वृहदारण्यक, छान्दोग्या, तैत्तरीया, ऐतरीया, माण्डूक्या उपनिषदों का सामान्य परिचय।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक- एकादशोपनिषद्, डॉ. सत्यवर्त सिद्धान्तालंकार जी, प्रकाशक - विजयकृष्ण लखनपाल-डब्ल्यू-77 ए, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48

सहायक ग्रन्थ - उपनिषद् रहस्य - पण्डित भीमसेन शर्मा

Semester –VI

क्रेडिट:-06

घण्टें:-90

प्रश्नपत्र- (1)

BDPHMJ-601 दर्शनशास्त्र इतिहास + मीमांसा दर्शन

- उद्देश्य-** 1. मीमांसा दर्शन का बोध।
2. मीमांसा दर्शन के आचार्यों का ज्ञान।
3. दर्शन साहित्य के इतिहास की जानकारी एवं महत्व को प्रकट करना।
4. दार्शनिक चिन्तन परम्परा का कर्मिक विकास से अवगत कराना।

प्रथम इकाई-

18 घण्टे

- विभिन्न दर्शनों का काल एवं सामान्य परिचय।
 - आस्तिक दर्शन (सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त)
 - नास्तिक दर्शन (चार्वाक, जैन, बौद्ध)

द्वितीय इकाई-

18 घण्टे

- ईश्वर, पुरुष, आत्मा, जीवात्मा की अवधारणा, नीतिशास्त्र, आचारशास्त्र।

तृतीय इकाई-

18 घण्टे

- क्रियायोग, मुक्ति के साधन, तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्राणिधान, अष्टांगिक योग, विभिन्न सिद्धियां।

चतुर्थ इकाई-

12 घण्टे

- केवल्य का स्वरूप, जीवन मुक्ति, विदेह मुक्ति

पंचम इकाई-

24 घण्टे

- मीमांसा दर्शन प्रथम अध्याय-प्रथम पाद

- उद्देश्य-** 1. मीमांसा दर्शन के दार्शनिकों का परिचय।
2. मीमांसा दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का परिचय।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक:- भारतीय दर्शनशास्त्र का इतिहास आचार्य डॉ. जयदेव आर्य, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, नई दिल्ली

प्रश्न पत्र-(2)**BDPHMJ-602 निरुक्त****पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-**

- निरुक्त के प्रथम द्वितीय अध्याय में पठित नामों का स्मरण तथा उनके विषय में ज्ञान कराना।
- महर्षि यास्क (यास्काचार्य) विरचित निरुक्त भूमिका का परिचय कराना।

इकाई प्रथम -मूल निरुक्त - प्रथम व द्वितीय अध्याय (कण्ठस्थीकरण)- पृथिवीनाम, हिरण्यनाम, अन्तरिक्ष नाम, रश्मिनाम दिशोनम, रात्रिनाम, उषोनामादि, 17 नाम तथा कर्मनाम अपत्यनाम, मनुष्य नाम बाहुनामादि 22 नाम।

इकाई द्वितीय - मूल निरुक्त - तीसरा अध्याय- बहुनाम, ह्रस्वनाम, महन्नाम, गृहनाम, परिचरणकर्मा, सुखनाम, रूपनाम सहित 30 नाम।

इकाई तृतीय - मूल निरुक्त - चतुर्थ व पञ्चम अध्याय- पदनाम-1-3 तथा 1 से 5 तक।

इकाई चतुर्थ - यास्क-भूमिका-पूर्वार्द्ध- निरुक्त पद के निर्वचन, निघण्टु पठित शब्दों के भेद लक्षण, वाक्य में भाव की प्रधानता आदि।

इकाई पञ्चम - यास्क-भूमिका-उत्तरार्द्ध- देवता ज्ञान की सामान्य विधि, मंत्रों के प्रकार परोक्षकृत तथा प्रत्यक्षकृत का लक्षण और उदाहरण आदि।

इकाई षष्ठ- उपर्युक्त ग्रन्थों का स्मरण व लेखन।

- परिणाम-**
1. निरुक्त के प्रथम एवं द्वितीय अध्याय का वाचन।
 2. महर्षि यास्क विरचित निरुक्त भूमिका का परिचय।
 3. निरुक्त के प्रथम एवं द्वितीय अध्याय का लेखन।

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ- निरुक्तम् (निघण्टुभाष्यम्), प्रकाशक- वैदिकपुस्तकालयः, केसरगंज, अजमेर (राजस्थान)। निरुक्त भाष्य-श्रीचन्द्रमणि विद्यालंकार पालीरत्न, हरयाणा साहित्य संस्थान, महाविद्यालय गुरुकुल झज्जर (हरियाणा)

क्रेडिट:-05

घण्टें:-75

प्रश्नपत्र- (3)

BDPHMN-603 बुद्धचरितम्

उद्देश्य-

- गौतम बुद्ध के जीवन दर्शन से अवगत कराना।
- बौद्धकालीन सामाजिक और धार्मिक मूल्यों से परिचय कराना।

प्रथम इकाई

15 घण्टे

द्वादश सर्ग - त्रयोदश सर्ग

अराड दर्शन, बोधिसत्व चिन्तन, सांख्य दर्शन।

द्वितीय इकाई

15 घण्टे

चतुर्दश सर्ग - पञ्चदश सर्ग

प्रथम-द्वितीय याम साधना, प्रतीत्य समुत्पाद्, प्रथम भिक्षा, बोधि उपदेश

तृतीय इकाई

15 घण्टे

षोडश सर्ग - सप्तदश सर्ग

धर्मदीक्षा, राजा विम्बसार को धर्मोपदेश, वेणुवन प्रसंग

चतुर्थ इकाई

15 घण्टे

विंशसर्ग एकविंश सर्ग

जेतवन वर्णन, राजा प्रसेनजित् को धर्मोपदेश, धर्मप्रचार

पंचम इकाई-

15 घण्टे

पञ्चविंश, सप्तविंश

भोगनगर, पापापुर, कुशीनगर गमन, चुन्द को उपदेश, महाकश्यप द्वारा तथागत दर्शन।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक-बुद्धचरितम्, स्वामी द्वारकादास शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी

प्रश्नपत्र (4)

BDPHMN-604 वैदिकेतर दर्शन-2

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

- महान दर्शन सम्प्रदायों के संग्रहकर्ता माधवाचार्य जी का जीवन अवबोध कराना।
- चार्वाक दर्शन के मूल सिद्धान्तों व विचारों के प्रति सहज बोध करवाना।
- बौद्ध दर्शन की मूल मान्यताओं, सम्प्रदायों व उपदेशों से परिचित कराना।
- जैन दर्शन की महत्ता व मोक्ष के विषयों से छात्रों को परिचित कराते हुए अन्य दर्शनों से इसकी विशिष्टता का बोध कराना।

प्रथम इकाई:-भारतीय दर्शन, साहित्य, सिद्धांत और सूत्रकार परिचय। 15 घण्टे

द्वितीय इकाई:-चार्वाक दर्शन, चार्वाक दर्शन का परिचय, ज्ञान मीमांसा, तत्त्व मीमांसा, नीति मीमांसा, मोक्ष की अवधारणा एवं समालोचनात्मक विश्लेषण। 12 घण्टे

तृतीय इकाई:-जैन दर्शन, जीव, अजीव, कर्म पुद्गल, कर्म का स्वरूप, कर्म के प्रकार, त्रिविध साधना मार्ग (रत्नत्रय), बंधन और मोक्ष (केवल्य), क्रमबद्ध पर्यायः, भाग्यवाद, संकल्प की स्वतंत्रता और निरीश्ववाद। 24 घण्टे

चतुर्थ इकाई:- बौद्ध दर्शनः, आर्य सत्य की अवधारणा, द्वादश निदान (भव चक्र), अष्टांगिक मार्ग 24 घण्टे

निर्धारित पाठ्यपुस्तक- सर्वदर्शन संग्रह, प्रो. उमाशंकर शर्मा (ऋषि)

प्रकाशक-चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी